आज का पुरुषार्थ 19 May 2022

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *" आज परमपिता से नज़रें मिलाकर बुद्धि को एकाग्र करने की पुरूषार्थ करे "*

हम सभी इस संसार में **पद्मापदम भाग्यवान है**, जो स्वयं भगवान ने आकर हमें नज़र से निहाल किया है। भगवान की नज़र हम पर पड़ी है। माया की नज़र हम पर पड़ नहीं सकती।

और जिसकी **नज़र एक पर ही स्थिर हो** उसकी नज़र चारों ओर कभी भी भटक नहीं सकती। और यह भी सत्य है, जिसकी नज़रें देहधारियों की ओर भटकती है उसकी नज़र एक पर स्थिर नहीं हो सकती।

तो आईये हम **निरंतर बाबा की नज़र से निहाल होते रहे।** हमारी नज़रों में बाबा समाये रहे। बहुत सुन्दर यह **स्थिति** है कि नयनों में एक की छबि समा जायें।

जैसे लोग श्रीकृष्ण को, श्रीराम को बहुत प्यार करते है। उनके नयनों में दोनों की वाल रूप वा युवा रूप समा रहता है।

हम भी ऐसे **परमात्म स्वरुप में रम जाये**, मगन हो जाये। उनका ही प्यार हमें अच्छा लगे। उनकी ही छबि हमें अच्छी लगे। वहीं हमें सबसे सुन्दर लगे। वहीं हमें कल्याणकारी प्रतीत हो। उसका ही चिन्तन हो हमारे मन में।

चारों ओर से अपने नज़र को हटाकर **एक में स्वयं को मग्न** कर देना है। वैसे भी सूक्ष्म ज्ञान का एक ही सारयुक्त महावाक्य है ...

एक के प्यार में **सम्पूर्ण रूप से मग्न** होना ही सम्पूर्ण ज्ञान है। अर्थात जो मनुष्य चारों ओर से अपने बुद्धि को कछुए की भांति समेट लेता है वही श्रेष्ठ योगी बन सकता है।

और योगी ही इस संसार में सबसे महान है। तपस्वियों से भी **श्रेष्ठ**, शास्त्रोंवादियों से भी श्रेष्ठ योगियों के vibrations के द्वारा ही जग का कल्याण होता है।

बाबा ने कहा है, तुम मेरे स्वरुप में मगन रहो। **जो मुझे आठ घन्टे याद करते है वह मेरे सबसे अधिक मददगार है।** क्योंकि उनके द्वारा ही इस संसार में सुख शान्ति पवित्रता और शक्तियों के वायब्रेशन्स फैलते है। और इसकी ही आज संसार को जरूरत है।

क्योंकि अकेले **ज्ञान** देने से हम दुसरों के कल्याण नहीं कर पाते। लेकिन हमारे vibrations उनकी सोई हुई **चेतना** को जगा देता है। हमारे वायब्रेशन्स उन्हें अन्दर प्रेरणा देते है ताकि वे वह करने की सोचे जो उन्हें करना चाहिए।

जिसको अपने **बुद्धि को एकाग्र करना** हो उसे देहधारियों के ओर से अपनी नज़रों को हटानी पड़ेगी। आप सूक्ष्म रूप से चेक कर सकते है ... यदि आप सारा दिन देहधारियों को देखते है, तो आपकी बुद्धि कभी एकाग्र नहीं होगी।

लेकिन आप देहधारियों को न देख उनके **मस्तक में चमकती हुई आत्मा को देखते है** तो पहले दिन से ही बुद्धि स्थिर होने लगेगी। और हमारी श्रेष्ठ vibrations भी उन तक जाने लगेगी।

तो आईये एक परमात्मा से नज़र मिलाये। उनके नज़रों से निरंतर निहाल होते रहे। उनके नज़रों से प्यार की और अपनेपन की फीलिंग करते रहे।

तो आज सारा दिन हम दुसरों को आत्मा देखने की practise करेंगे। और नज़र रखेंगे एक महाज्योती पर। हम केवल उन्हें देख रहे है और उनके vibrations हमें निहाल कर रहे है।

बार-बार सारे दिन में यह अभ्यास करेंगे हमारे नज़रें, हमारे परम सदगुरू निराकार सर्वशक्तिमान पर लगी हुई है।

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org